

ANCIENT INDIAN HISTORY, CULTURE AND ARCHAEOLOGY

Syllabus for Ph.D. Entrance Test

Section -A

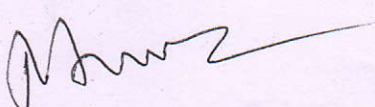
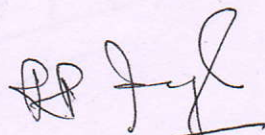
Research Methodology:

Aim and scope of Historical research and its relationship with other subjects of social sciences. Nature of Historical research, Sources of research, methods of analysis. Meaning and Definition of History, Nature and Scope of History facts and Historical facts Development of Indian Historical writing.

Section -B

Concerned Subject: Ancient Indian History, Culture and Archaeology

- Political History of India (From 6th Century B.C. To 1200 A.D.) Mahajanpad era, Nand dynasty, Maurya dynasty, Shunga dynasty, Kanva, Satvahana, Shaka, Kushan, Gupta dynasty, Harshavardhan, Maukhari, Later Gupta, Parmar, Pratihar, Chahaman, Chalukya (Badami and Gujrat), Pal, Chandel and Kalchuri dynasty.
- Varna, Jati, Sanskar, Ashram, Purushartha, Position of women, Family, Agriculture, Trade and Commerce.
- Indian Archaeology and field archaeology- exploration Excavation and Dating.
- Sculptural Art, Harappan town planning, Chaitya-Vihar, Temples, Stupas, Inscriptions and Coins.




प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम

खण्ड – अ

शोध प्रविधि

- ऐतिहासिक शोध का क्षेत्र एवं उद्देश्य, अन्य समाज विज्ञानों से इसका संबंध।
- ऐतिहासिक शोध की प्रकृति, शोध के स्रोत एवं विश्लेषण की पद्धतियाँ।
- इतिहास का अर्थ एवं परिभाषा, इतिहास का क्षेत्र एवं प्रकृति, तथ्य एवं ऐतिहासिक तथ्य, भारतीय इतिहास लेखन का विकास।

खण्ड – ब

सम्बद्ध विषय – प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व

- छठी शताब्दी ई०पू० से 1200 ई० तक भारत का राजनीतिक इतिहास— महाजनपद युग, नन्द वंश, मौर्य वंश, शुंग वंश, कण्व, सातवाहन, कुषाण, शक, गुप्त वंश, हर्षवर्धन, मौखरि, उत्तरगुप्त, परमार, प्रतिहार, चाहमान, चालुक्य (वादामी एवं गुजरात के चालुक्य), पाल, चन्देल एवं कलचुरि वंश।
- वर्ण, जाति, संस्कार, आश्रम, पुरुषार्थ, स्त्रियों की स्थिति, परिवार, कृषि, व्यापार वाणिज्य।
- भारतीय पुरातत्त्व एवं क्षेत्रीय पुरातत्त्व, सर्वेक्षण एवं उत्खनन विधियाँ, तिथि निर्धारण।
- मूर्तिकला, हडप्पा युगीन नगर नियोजन, चैत्य—विहार, मंदिर, स्तूप, अभिलेख एवं मुद्रायें।

